मैनिट उन्नत भारत अभियान भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा कम से कम पाँच निकटवर्ती ग्रामीण गाँवों को गोद लेना है। इसका उद्देश्य इन संस्थानों को ग्रामीण समुदायों से जोड़ना और शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, कृषि, स्वास्थ्य, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और तकनीकी हस्तक्षेप जैसे विकासात्मक मुद्दों पर उनका समर्थन करना है। मैनिट भोपाल, उन्नत भारत अभियान के क्षेत्रीय समन्वयकों (आरसीआई) में से एक होने के नाते, बारह गाँवों को गोद ले चुका है और शिक्षा, जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, बालिका विकास, कृषि, स्वच्छता और तकनीकी हस्तक्षेप के क्षेत्र में सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

30 अगस्त 2025 को, यूबीए मैनिट छात्र प्रकोष्ठ ने खारपा और खारपी गाँवों का दौरा किया। इस दौरे की योजना और समन्वय यूबीए छात्र समन्वयक (विधि शर्मा) और सह-समन्वयक (यदला धनंजय) ने किया, भोपाल जिले के खारपा और खारपी गाँवों के सरकारी स्कूलों में, यूबीए के छात्रों ने बच्चों के साथ इंटरैक्टिव शैक्षणिक सत्र आयोजित किए। छात्रों को सरल और आकर्षक तरीके से पहाड़े और भारत के राज्यों की जानकारी दी गई। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए, नाश्ते, केले और स्टेशनरी सामग्री भी वितरित की गई। इस बातचीत से एक उत्साहपूर्ण शिक्षण वातावरण बना और बच्चों ने ऐसी शिक्षण गतिविधियों को जारी रखने में रुचि दिखाई।

यूबीए छात्र प्रकोष्ठ ने गाँवों की महिलाओं से भी संपर्क किया। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के महत्व और कार्यप्रणाली पर चर्चा हुई, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे ये समूह महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता, सामूहिक शक्ति और बेहतर आजीविका के अवसर प्रदान कर सकते हैं। महिलाओं ने इस पहल में गहरी रुचि दिखाई। परिणामस्वरूप, खारपा गाँव में पहली बैठक में ही तीन स्वयं सहायता समूहों का सफलतापूर्वक गठन किया गया। खारपी में, महिलाओं ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आश्वासन दिया कि वे अपने समूह बनाने से पहले आपस में और चर्चा करेंगी। यूबीए प्रकोष्ठ ने निकट भविष्य में स्वयं सहायता समूहों की स्थापना और प्रबंधन में उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई। खारपा शासकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश पाटीदार और खारपी शासकीय माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका संगीता पांडे ने यूबीए के कार्यों का समर्थन किया है।

यह दौरा स्कूली बच्चों के लिए शैक्षिक सहायता और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, दोनों की दिशा में एक कदम आगे ले गया। मैनिट निदेशक प्रो. करुणेश कुमार शुक्ला ने गोद लिए गए गाँवों में नए कार्यों, जैसे स्वयं सहायता समूहों का निर्माण और सरकारी स्कूलों में शिक्षा, के लिए अपना पूर्ण समर्थन दिया है। डीन (आईडी और आईआर) डॉ. एस.पी.एस. राजपूत ने भी यूबीए टीम को गोद लिए गए गाँवों के ग्रामीणों के लिए और अधिक पहल करने के लिए प्रेरित किया। यूबीए मैनिट के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. पुष्पेंद्र यादव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि मैनिट यूबीए प्रकोष्ठ ग्रामीण समुदायों को शिक्षा, सशक्तिकरण और विकास में अधिकतम सहायता प्रदान करता रहेगा। आने वाले महीनों में, छात्र प्रकोष्ठ इन गतिविधियों का विस्तार करेगा और गोद लिए गए गाँवों के लिए स्थायी लाभ सुनिश्चित करेगा।

मैनिट उन्नत भारत अभियान

मैनिट उन्नत भारत अभियान

मैनिट उन्नत भारत अभियान

मैनिट उन्नत भारत अभियान

मैनिट उन्नत भारत अभियान